हिन्दी-ब्लागिंग दिग्दर्शिका भाग 2

शास्त्री जे सी फिलिप

कापीराइट 2007: सारथी/पाणिनि

हिन्दी के प्रचार/प्रसार के लिये आप इस ई-पुस्तिका की प्रतियों को बिना परिवर्तन-सम्पादन किसी भी रूप में वितरित कर सकते हैं

हिन्दी-ब्लागिंग दिग्दर्शिका भाग 2

शास्त्री जे सी फिलिप

जैसा मैंने पिछले लेख में कहा था कि सिर्फ मंगल फांट ही फिलहाल अच्छा परिणाम देता है. लेकिन, चिट्ठाकार सिर्फ "मंगल" का ही प्रयोग करे तो भी इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि वह मंगल ही रहेगा. चिट्ठे को चलाने वाला सफ्टवेयर उपभोक्ता की जानकारी के बिना कई बार हिन्दी फांट बदल देता है. मेरे चिट्ठे में यह अकसर होता रहता है, और मुझे उसके कारण अतिरिक्त प्रयास करना पडता है. अखण्डित चिट्ठा चाहते हैं तो आपको भी इस की जानाकारी रखनी होगी. इन विषयों के बारे में विस्तार से तकनीकी चर्चा कुछ अध्यायों के बाद करेंगे.

इस अध्याय में हम एक विशेष औजार से आपका परिचय करवाना चाहते हैं जो चिट्ठाकारी में आपका विश्वस्त सेवक सिद्ध होगा. इसका अधिकृत नाम है Windows Live Writer. देखने में यह एक शब्द संसाधक के समान लगता है, और काफी कुछ इसका उपयोग भी उसी तरह से होता है. अंतर यह है कि आप इसकी सहायता से अपने संगणक पर अपना चिट्ठा तय्यार कर सकते हैं. जाल से सम्पर्क की कोई आवश्यक्ता नहीं है. जब आपका चिट्ठा पूरी तरह से तय्यार हो जाये तो अपने संगणक को जाल से जोड दीजिये एवं इस औजार को आज्ञा दीजिये और यह अपने आप आप के चिट्ठे को आपके जाल-स्थल पर पहुचा देगा, स्थापित कर देगा. इससे समय की बहुत बचत होती है, एवं लिखते समय जाल-सम्पर्क की आवश्यक्ता न होने के कारण पैसे की भी बचत होती है. इसे आप निम्न जाल-स्थल से प्राप्त कर सकते हैं: Download Windows Live Writer

यह औजार बिना जाल-स्थल पर जाये ही चिट्ठा तय्यार करने में मदद करता है. इस तरह के औजारों की एक पूरी फौज उपलब्ध है, और हरेक की अपनी विशेषता है. मैं उन में से कई का उपयोग नियमित रूप से करता हूं, लेकिन उन में से सिर्फ Windows Live Writer ही पूर्ण रूप से हिन्दी-सक्षम है (जो माईक्रोसोफ्ट विन्डोज की हिन्दी सक्षमता का परिणित फल है).

इन औजारों को समान्यतया web-client या जाल-सेवक कहलाते हैं क्योंकि ये जाल पर हमारी सेवा करते हैं. लाईव-राईटर के उपयोग के लिये पहले इसे अपने संगणक पर स्थापित कर लीजिये. उसके बाद केफे हिन्दी या इस तरह के किसी लिप्यांतरण औजार की सहायता से अपना लेख लिखिये. उदाहरण के लिये नीचे दिया गया चित्र देखिये:

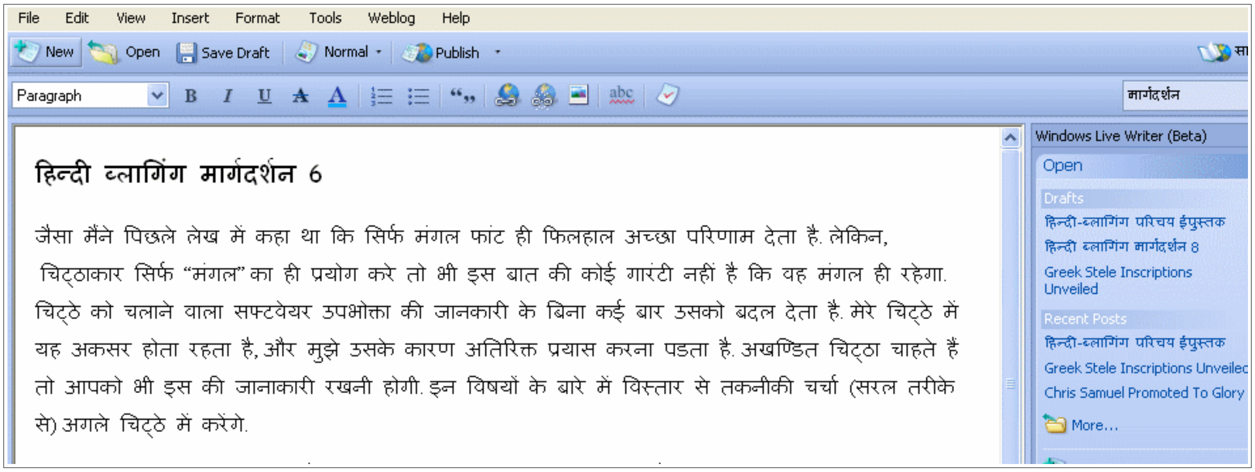

शब्द-संसाधक के समान, आप इस की मदद से एक समय कितने भी लेख लिखकर सुरक्षित रख सकते है. यह उन लोगों के लिये बहुत उपयोगी है जो एक से अधिक लेख पर एक साथ कार्य करते हैं. जब आपका लेख तय्यार हो जाये तो सेवक को आज्ञा दीजिये कि इसे आपके चिट्टे पर स्थापित कर दे. इसके लिये पहली बार आप को कुछ निर्देशन देने पढेंगे जिससे सेवक आपके चिट्टे का जाल-पता एवं कूटशब्द आदि जान सके. इसके लिये "weblog" द्वारा आप सेवक को तय्यार कर सकते है, जिसका पहला कदम चित्र 2 में दिखाया गया है.

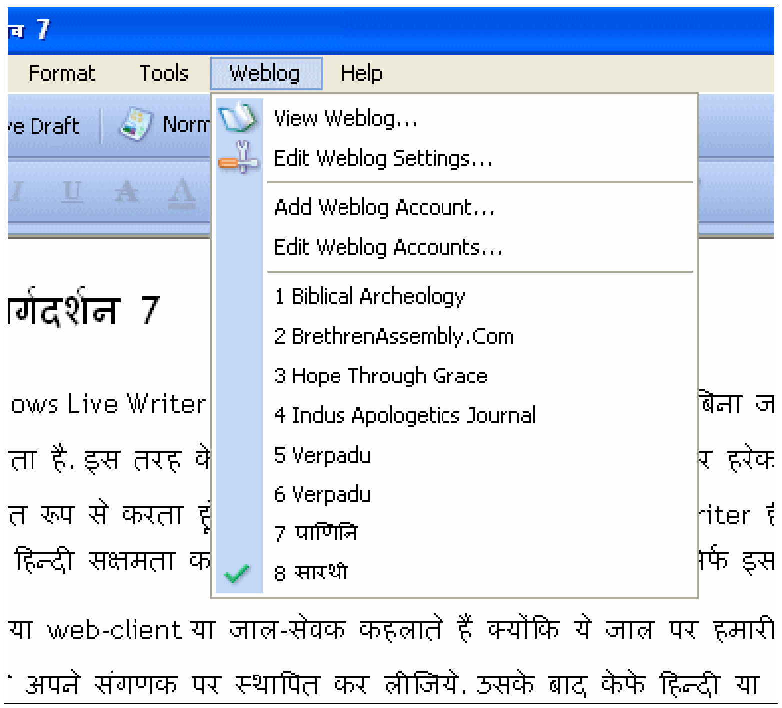

ऊपर दिखाये गये मेनू में जब आप "Add Weblog Account" चुन लेंगे तो यह आप से कुछ और जानकारी मांगता है. एक एक करके सारी जानकारी एवं आपकी अनुमति मिलने पर सेवक आपके जाल-स्थल से सम्पर्क करता है एवं उस पर उपस्थित लेखन-वर्गीकरण को प्राप्त कर लेता है एवं आपकी सुविधा के लिये प्रदर्शित करता है. सारथी का वर्गींकरण या मेनू नीचे दिये गये चित्र में आप देख सकते हैं.

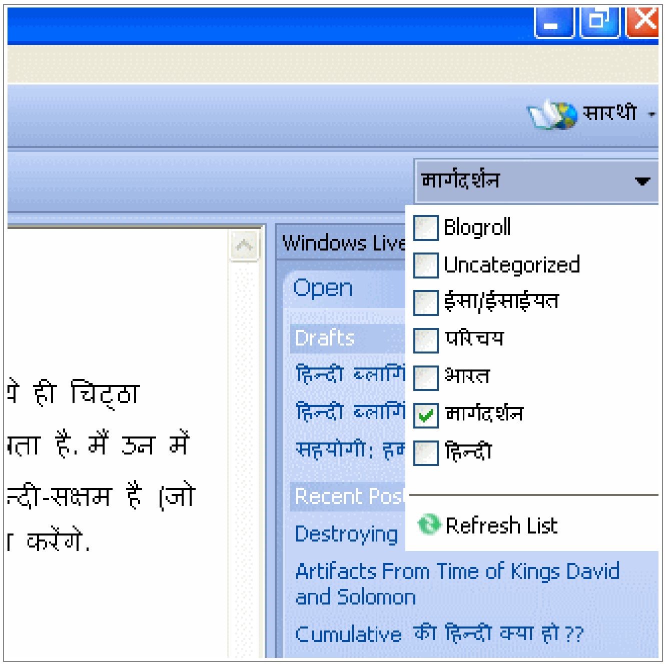

आपका जाल-सेवक "लाईव राईटर" तय्यार है. लेख के लिये इस मेनू से सही श्रेणी या वर्गींकरण चुनिये एवं भेजने या पब्लिश करने की आज्ञा दीजिये. नीचे दिये गये चित्र में यह आप देख सकते हैं.

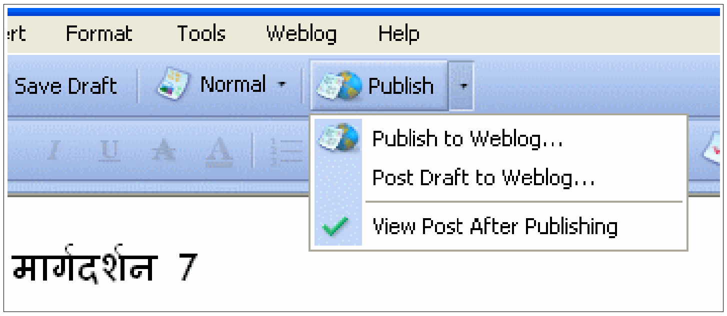

आपकी आज्ञा मिलने पर यह जाल-सेवक इस लेख को आपके जाल-स्थल तक इसे अपने आप पहुंचायगा एवं अपनी सफलता के बारे में आपको खबर भी देगा.

यदि आप कई लेखों पर एक साथ काम करते हैं, या लेख प्रकाशित करने के बाद उसमें बदलाव करके पुनर्प्रकाशित करना चाहते हैं, एवं जाल पर अधिक समय बिताये बिना चिट्ठा लेकन का काम करना चाहते हैं (एवं कुछ नगद नारायण बचाना चाहते हैं) तो आप इस जाल-सेवक के बिना नहीं रह पायेंगे.

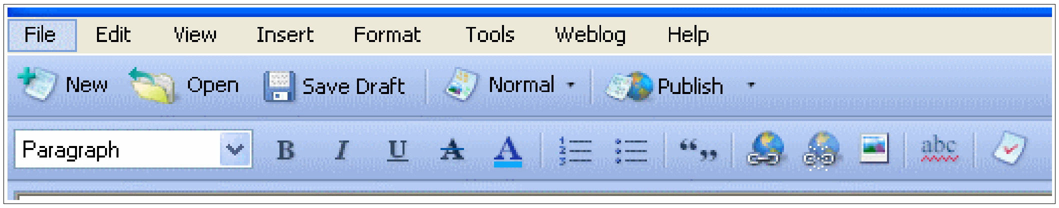

यहां एक बात न भूलें, मैं ने सेवक का सिर्फ परिचय मात्र दिया है, इसकी सारी योग्यताओं की जानकारी देने की कोशिश नहीं की है, जो कि तारीफे काबिल है एवं कद्रदान के इंतजार मैं हैं. ऊपर दिये गये चित्र में हम इसके ऊपर की मेनू-पट्टी, एवं नीचे दिये गये चित्र में इसके दांये भाग पर स्थित

परफार्मेन्सिंग

पिछले लेख में मैं ने विन्डोज लाईव राइटर जाल-सेवक का परिचय दिया था. अधिकतर चिट्ठेबाजों के लिये इसके अलावा किसी सेवक की आवश्यक्ता नही है, लेकिन संगणक के लोक में एवं जाल जगत में कोई भी साफ्टवेयर शत प्रतिशत लोगों को एक समान परिणाम नही देता है. अत: इस लेख में मैं हिन्दी-समर्थ एक और सेवक की जानकारी दे रहा हूं. इसका मूल नाम है परफार्मेन्सिंग, लेकिन आजकल यह मलिकियत बदलने के कारण स्क्राइबफायर नाम से भी जाना जाता है. इसकी मुख्य खामी यह है कि यह सिर्फ फायरफाक्स के सहायी कर्यक्रम के रूप में काम करता है. इसे आप निम्न जालपते से प्राप्त कर सकते है: Performancing

लाइव राइटर कई मेगाबाइट का है तो यह सिर्फ 350 किलोबाईट स्थान घेरता है. इसे स्थापित करने के बाद यह एक छोटे से प्रतीक के रूप मे फायरफोक्स के दहिने नीचे की पट्टी पर रहता है, जो इस बात की सूचना है कि यह कार्यक्रम सक्रिय है एवं आपके इशारे की प्रतीक्षा में है. इसका चित्र नीचे दिया हुवा है.

उसे स्पर्श कीजिये, और अलादीन के जिन्न के समान यह आपकी सेवा मे उपस्थित हो जाता है.

सामान्यतया यह औजार स्क्रीन का नीचे के आधे हिस्से में दिखता है, लेकिन इसका स्थान बदला जा सकता है. नीचे के चित्र में आप इसे देख सकते हैं. चित्र में उपर का हिस्सा स्क्रीन पर सारथी के जाल स्थल को दिखा रहा है. नीचे का हिस्सा इस जाल-सेवक औजार को दिखा रहा है. सेवक के चिन्ह को एक बार और स्पर्श कीजिये, यह अप्रत्यक्ष हो जायगा.

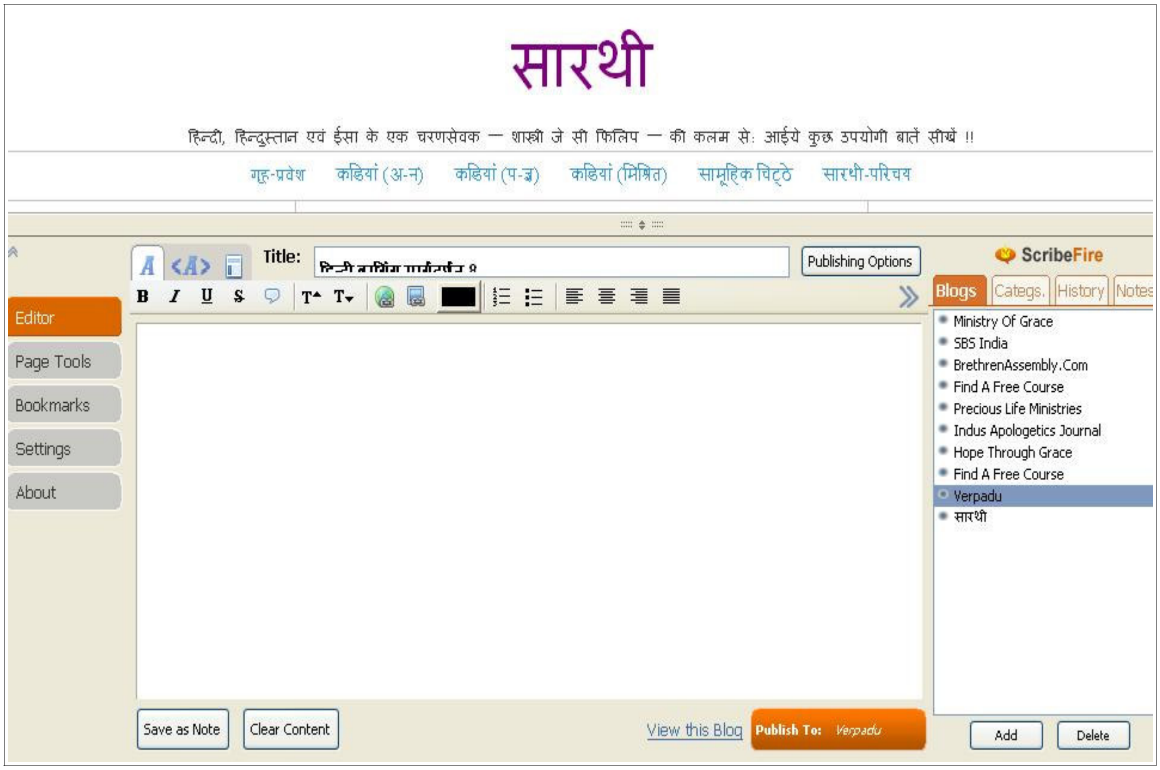

इसके दहिने, बायें, एवं उपर के मेनू देखिये. इन की सहायता से आप बहुत कुछ कर सकते हैं. यह सेवक लाइव राइटर के समान समर्थ औजार नहीं है, लेकिन अधिकतर चिट्ठा लेखन के लिये सिर्फ इस हल्के फुल्के सेवक की ही जरूरत है.

इन दो के अलावा और भी बहुत से आकर्षक एवं सामर्थी जाल-सेवक उपलब्ध हैं. अधिकतर मुफ्त हैं, कुछ व्यापारिक हैं. लेकिन इन में से कोई भी हिन्दी-सक्षम नहीं है. कुछ पर टंकण करते समय हिन्दी कभी कभी दिख जाता है, लेकिन उनको संचित करने के बाद दुबारा खोलेंगे तो सिर्फ कचरा नजर आयगा और आप सर पीट लेंगे कि घंटों की मेहनत बर्बाद हो गयी.

हिन्दी-ब्लागिंग दिग्दर्शिका भाग 2

शास्त्री जे सी फिलिप

कापीराइट 2007: सारथी/पाणिनि

हिन्दी के प्रचार/प्रसार के लिये आप इस ई-पुस्तिका की प्रतियों को बिना परिवर्तन-सम्पादन किसी भी रूप में वितरित कर सकते हैं